सेमी कंडक्टर के लिए महत्वपूर्ण सिलिकॉन सोनभद्र की ग्रेनाइट पहाड़ियों में मिला

सोनभद्र। सेमी कंडक्टर के उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण सिलिकॉन की मौजूदगी जिले की ग्रेनाइट पहाड़ियों में मिली है। इसी सिलिकॉन से सेमी कंडक्टर का आधार तैयार किया जाता है। लगभग ढाई अरब वर्ष पुरानी ग्रेनाइट की चट्टानों के अध्ययन में जुटी लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम का दावा है कि यहां के 10 से 12 वर्ग किमी क्षेत्र का विस्तृत शोध-सर्वे किया जाए तो संबंधित इलाके में जरूरी अयस्क बड़ी मात्रा में मौजूद है।

लखनऊ विवि के भूगर्भशास्त्री प्रो. विभूति राय की अगुवाई वाली टीम पिछले पांच साल से सोन वैली की पहाड़ियों और यहां की भू संपदा के अध्ययन में जुटी है। यह अध्ययन दो साल तक और चलेगा। झिरगाडंडी सेक्शन में मौजूद ग्रेनाइट के अध्ययन में इन चट्टानों की उम्र लगभग ढाई अरब साल पुरानी (सलखन फॉसिल्स पार्क से भी पुरानी) होने का अनुमान लगाया गया है। वहीं, इन चट्टानों में क्वाट्र्ज अयस्क की अच्छी मात्रा है। संवाद

सोनभद्र की पहाड़ियों के अध्ययन में जुटा लखनऊ विश्वविद्यालय के शोध छात्रों का दल। - फाइल फोटो

सोनभद्र की पहाड़ियों की उम्र एक अरब से लेकर ढाई अरब वर्ष तक आंकी गई है। इनमें ग्रेनाइट से जुड़ा एरिया क्वाट्र्ज खनिज के लिहाज से खासा महत्वपूर्ण है। इससे जुड़े 10 से 12 वर्ग किमी एरिया का विस्तृत सर्वेक्षण किया जाए तो क्वाट्र्ज के जरिये मिलने वाला सिलिकॉन सेमी कंडक्टर के उत्पादन में बड़ी भूमिका निभा सकता है।

- प्रो. विभूति राय, भूगर्भ विभाग, लखनऊ